

छुएंगे आसमां

जेईई एडवांस के पर्सेंटाइल के आधार पर 20 सीटों पर इसी सत्र से दिया जाएगा प्रवेश

आइआइटी में अंतरिक्ष विज्ञान व इंजीनियरिंग में कर सकेंगे बीटेक कोर्स

गजेन्द्र विश्वकर्मा • इंदौर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर अंतरिक्ष विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में नया बीटेक कोर्स शुरू करने जा रहा है। इसी सत्र से संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस के पर्सेंटाइल के आधार पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। पहले वर्ष 20 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। संस्थान के खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष इंजीनियरिंग विभाग (डीएएएसई) द्वारा इसे संचालित किया जाएगा। कोर्स यूनिवर्सिटि इंटरडिसिप्लिनरी होगा, जिसमें अंतरिक्ष से संबंधित हर विषय की बारीकी से जानकारी विद्यार्थियों को दी जाएगी।



आइआइटी इंदौर का आकर्षक परिसर। • फाइल फोटो

कोर्स में यह पढ़ाया जाएगा

कोर्स में अंतरिक्ष से संबंधित सभी विषयों को समाहित किया है। इसमें वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी मौजूद हैं। शोध परियोजना, स्पेस इंस्ट्रुमेंटेशन, डिटेक्टर और पेलोड, इमेजिंग और डाटा एनालिटिक्स, रिमोट सेंसिंग व वायुमंडलीय इंजीनियरिंग, खगोल विज्ञान व खगोल भौतिकी विषय का चुनाव कर विद्यार्थी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान एमटेक व एमटेक प्लस पीएचडी के ड्यूल कोर्स की भी शुरुआत कर चुका है।

अनुभवी मानव संसाधन विकसित होगा

संस्थान के सूचना अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में इस क्षेत्र में जानकारों की काफी आवश्यकता है। प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षित मानव संसाधन विकसित करने के उद्देश्य से कोर्स की शुरुआत की जा रही है।

स्पेस तकनीकी में करियर के कई विकल्प

इसमें सेटेलाइट, स्पेस स्टेशन, स्पेसक्राफ्ट, स्पॉटर्स इंफ्रास्ट्रक्चर इक्यूमेंट को डिजाइन करने का कार्य किया जाता है। स्पेस इंजीनियर का सबसे प्रमुख कार्य होता है। ये किसी भी स्पेस अभियान से जुड़े सभी इक्यूमेंट को डिजाइन करते हैं। यहां पर एयरोस्पेस, रोबोटिक्स, मटेरियल साइंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग के साथ ही मैकेनिकल और टेलीकाम इंजीनियरिंग जैसे कई फील्ड में इंजीनियर कार्य करते हैं।

देश-दुनिया की जरूरत को ध्यान रख रहा आइआइटी

आइआइटी इंदौर और आइआइएम इंदौर ने इसके पहले संयुक्त रूप से एमएस डाटा साइंस कोर्स शुरू किया था। दो साल के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में तकनीकी विषय आइआइटी इंदौर और डाटा मैनेजमेंट से संबंधित विषय आइआइएम इंदौर के प्रोफेसर्स पढ़ा रहे हैं। नौकरीपेशा व्यक्ति भी इसमें प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स में युवाओं की बेहतर मांग बनी हुई है। देश-दुनिया में जिन क्षेत्रों में अनुभवी लोगों की मांग है, उन क्षेत्रों को ध्यान में रखकर आइआइटी नए कोर्स तैयार कर रहा है।